सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 269 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

इंतजार मत करिए। सही समय कभी नहीं आता।
-नेपोलियन हिल

भारत के विजयी रथ ने दक्षिण अफ्रीका... 7
अब शुरू होगा मान-मनौव्वल का... 3
'पीडीए के कमाल से बीजेपी के... 2

# नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र का माइनिंग कारोबारी से करोड़ों रुपये लेने की बातचीत का वीडियो वायरल

» कमलनाथ के सलाहकार बबेले ने सोशल मीडिया पर डाला वीडियो
» कांग्रेस समेत अन्य दलों ने बीजेपी को घेरा
» बोली- क्या ईडी व सीबआई जांच करेगी
» भाजपा ने बताया झूठा व एडिटेड वीडियो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनावी आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस के एक वीडियो ने भाजपा को चारोखानों चित कर दिया है। यह वायरल वीडियो नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर का है। इस कथित वीडियो में केंद्रीय मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता के पुत्र एक माइनिंग कारोबारी से चुनाव लड़ने के लिए पैसे की लेन-देन की बातचीत कर रहे हैं।

इसको लेकर कांग्रेस भाजपा पर हमलावर हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने भी इस वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। इसको लेकर कांग्रेस ने ईडी पर भी तंज कसा है। उधर मध्य प्रदेश की राजनीति में इस वीडियो के आने के बाद बवाल मचा है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर (रामू तोमर) का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। हालांकि जब पत्रकारों ने इस संबंध में नरेंद्र तोमर के बेटे रामू से बात करने की कोशिश की गई तो बात नहीं हो पाई।

## करोड़ों रुपये की हो रही डील : बबेले

कांग्रेस नेता बबेले ने वीडियो साझा कर तंज कसा है। उन्होंने ईडी, सीबीआई को टैग करते हुए लिखा कि अब ये वीडियो वायरल हो रहा है, जरा जांच कीजिए। इस कथित वीडियो में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर जो भाजपा की टिकट से चुनाव भी लड़ने वाले हैं, वो एक माइनिंग कारोबारी से करोड़ों रुपये लेने की बातचीत कर रहे हैं। पीयूष बबेले ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आचार संहिता के बीच ये काले धन की बात हो रही है या फिर गोरे धन की, इसकी जांच ईडी और सीबीआई को करनी चाहिए।

## देवेंद्र का पुलिस को भेजा पत्र भी वायरल

कथित वीडियो के बाद देवेंद्र तोमर के नाम से मुरैना के पुलिस अधीक्षक को भेजा गया एक आवेदन भी इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। पत्र में कहा गया है कि ये वीडियो केवल दुष्प्रचारित के लिए है। इसमें कहा गया कि वीडियो में एडिटिंग करके मेरे विरुद्ध साजिश रची जा रही है।

## महादेव ऐप को लेकर केंद्रीय मंत्री और भूपेश में वार-पलटवार

विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में सट्टेबाजी ऐप को लेकर राजनीति गरमा गई है। महादेव ऐप मामले पर अब केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर का बयान आया है, जिस पर भूपेश बघेल ने भी पलटवार किया है। मंत्री राजीव ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस और छत्तीसगढ़ सरकार ने डेढ़ साल पहले जांच शुरू की थी, लेकिन इस संबंध में कुछ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सब मिलीभगत पैसे

» कांग्रेस चुनाव आयोग में करेगी शिकायत

कमाने के लिए हुआ है, लेकिन ईडी मामले की जांच कर रही है। मंत्री ने कहा कि सीएम और सरकार ने पत्र लिखा, लेकिन किसे लिखा यह कोई नहीं जानता। ईडी ने कल पहली बार हमसे इस ऐप को ब्लॉक करने का अनुरोध किया और हमने तुरंत ऐसे 22 ऐप्स को ब्लॉक कर दिया। सीएम ने 1.5 सालों में इस ऐप को ब्लॉक करने के लिए केंद्र सरकार को कोई आवेदन नहीं दिया। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल का भी बयान सामने आया। दो साल से इसकी जांच चल रही है, लेकिन जब तक ऑनलाइन सट्टेबाजी पर रोक नहीं लगेगी, कुछ नहीं रुकेगा। जो लोग ऑनलाइन सट्टेबाजी करते हैं, उनके लाखों फर्जी अकाउंट हैं। केंद्र को उनकी पहचान कर बंद करना चाहिए।

# सपा प्रमुख ने आवारा पशुओं को लेकर योगी सरकार को घेरा

» अखिलेश यादव ने समस्या पर स्पष्टीकरण मांगा, बताएं अब तक क्या किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में आवारा पशुओं की समस्या पर सोमवार को राज्य की भाजपा सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पूछा, छुट्टा पशुओं के लिए भाजपा सरकार स्पष्टीकरण दे, भाजपा शासन में कितने लोग छुट्टा पशुओं की वजह से मारे गये या घायल हुए-छुट्टा पशुओं के कारण जिनकी मौत हुई, उनमें से कितनों को मुआवजा दिया गया और कितना दिया गया?

उन्होंने आगे पूछा, जो गौशालाएं खोली गयीं हैं उनमें कुल कितने छुट्टा पशु हैं, गौशालाओं के काम का आंकलन कब किया गया और उसके क्या परिणाम निकले? अधिकतर गौशालाओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गयी? यादव ने यह सवाल भी किया कि इस समस्या से निपटने के लिए नियुक्त किये गये अधिकारियों ने क्या किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद इस समस्या का पंद्रह दिन में समाधान निकालने की जो बात की गयी थी वह वचन था या जुमला ? वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान, भाजपा नेताओं ने सरकार बनने के 15 दिनों के भीतर, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान निकालने का वादा किया था। पीएम नरेन्द्र मोदी ने भी उस चुनाव में इस समस्या का जिक्र किया था।

# सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों पर की सख्त टिप्पणी

» दिए निर्देश- मामला अदालत पहुंचने से पहले विधेयकों पर कार्रवाई करें गवर्नर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को पंजाब के राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई पर एक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया और मामले को शुक्रवार (10 नवंबर) के लिए सूचीबद्ध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपालों को मामला उन तक पहुंचने से पहले ही अपने संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करनी चाहिए। राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित की देरी के खिलाफ पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने चिंता व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्यपालों को मामले के सर्वोच्च न्यायालय में आने से पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए।

## 10 नवंबर तक अपडेट करें रिपोर्ट : चंद्रचूड़

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को पंजाब के राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई पर एक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया और मामले को शुक्रवार (10 नवंबर) के लिए सूचीबद्ध किया। 1 नवंबर को, पुरोहित ने मान को पत्र लिखने के कुछ दिनों बाद तीन धन विधेयकों

में से दो को अपनी मंजूरी दे दी, जिसमें कहा गया था कि वह विधानसभा में पेश करने की अनुमति देने से पहले योग्यता के आधार पर सभी प्रस्तावित कानूनों की जांच करेंगे। धन विधेयक को सदन में पेश करने के लिए राज्यपाल की मंजूरी की आवश्यकता होती है। पंजाब के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पहले पत्र में, राज्यपाल ने तीन धन विधेयकों को अपनी मंजूरी रोक दी थी। पुरोहित ने पंजाब राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, और भारतीय स्टांप (पंजाब संशोधन) विधेयक, 2023 की अपनी मंजूरी रोक दी है।

# 'पीडीए के कमाल से बीजेपी के भी सुर बदले'

» अखिलेश बोले- अब जातीय जनगणना कराने का राग अलापने लगी भाजपा

» कांग्रेस पर बरसे- उसने ओबीसी आरक्षण नहीं किया लागू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा और कांग्रेस के बीच तल्खी कम होने की जगह बढ़ती जा रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि कांग्रेस ने जातीय जनगणना नहीं कराई और ओबीसी आरक्षण भी नहीं लागू होने दिया। अखिलेश मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन रविवार को टीकमगढ़ और पन्ना जिलों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। वहीं अखिलेश ने कहा कि पीडीए का कमाल देखिए, अब तो भाजपा की भाषा भी बदल गई है। भाजपा भी जातीय जनगणना कराने के लिए तैयार है।

यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस ने न तो जातीय जनगणना होने दी और न ही पिछड़ों के आरक्षण के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू होने दी। जिस रास्ते पर पहले कांग्रेस चल रही थी, अब उसी रास्ते पर भाजपा चल रही है। अखिलेश ने कांग्रेस को चालू पार्टी करार दिया। जबकि, कांग्रेस पहले ही पलटा मार चुकी है। उन्होंने कहा कि 2024 में जब नई सरकार बनेगी तो सबसे पहला काम होगा जातीय जनगणना। जनगणना के बाद जिस जाति की जितनी संख्या होगी, उसके उसके अधिकार के हिसाब से मदद प्राप्त होगी।

## आगरा में गुटबाजी से जताई नाराजगी

आगरा में समाजवादी पार्टी में गुटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही। रविवार को फतेहाबाद रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर अल्पसंख्यक सभा की बैठक में पूर्व प्रत्याशी और महानगर के पदाधिकारी के बीच कहासुनी हो गई। विधानसभा चुनाव 2022 में वोट को लेकर दोनों नेताओं के बोल बिगड़ गए। इसको लेकर शीर्ष नेतृत्व ने नाराजगी जताई है। दरअसल, कहासुनी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पूर्व प्रत्याशी को चुनाव में करारी हार मिली थी। बैठक में बूथ मजबूत करने की बात चल रही थी। तभी महानगर के पदाधिकारी ने कटाक्ष करते हुए प्रत्याशी के समाज से वोट नहीं मिलने और अल्पसंख्यक वोट मिलने की बात कही। जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच कहासुनी शुरू हो गई। मंच पर बैठे अन्य लोगों ने मामला शांत कराया। मामला शांत होने के बाद अल्पसंख्यक सभा अध्यक्ष मुबीन खान ने कार्यकारिणी का विस्तार किया। कार्यकारिणी में शामिल हुए लोगों को मनोनयन पत्र बांटे गए।

## भाजपा सिर्फ लूट पर करती है भरोसा

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सिर्फ लूट पर भरोसा करती है। प्रधानमंत्री एक कार्यक्रम में कह रहे थे कि 13 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। अगर इतने लोग गरीब रेखा से बाहर हो गये हैं तो यह राशन किसको दे रहे हैं। जब चुनाव आता है तो भाजपा के लोग किसानों, गरीबों और नौजवानों से झूठे वादे करते हैं। भाजपा सामाजिक न्याय की दुश्मन है। कई राज्यों में मंडल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पिछड़ों के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू किया गया, लेकिन मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने इसे लागू नहीं किया।

## सपा पिछड़ा वर्ग की जिला इकाई का विस्तार

समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष संतोष पाल ने जिला इकाई का विस्तार किया। फतेहाबाद रोड स्थित कार्यालय पर बैठक में लक्ष्मन कुमार यादव को महासचिव, यशपाल सिंह कोषाध्यक्ष नामित हुए। इनके अलावा छह उपाध्यक्ष, 16 जिला सचिव और छह जिला कार्यकारिणी सदस्य नामित हुए हैं। इस दौरान प्रदेश सचिव राम गोपाल यादव ने कार्यकारिणी में शामिल लोगों को मनोनयन पत्र भेंट किए।

## रोजगार की मांग को लेकर निकाली परिवर्तन साइकिल यात्रा

सपा पार्षद दल के पूर्व नेता राहुल चौधरी के नेतृत्व में बेरोजगारी की समस्या और अग्निवीर योजना के वापस लेने की मांग करते हुए दौरेरा से कागारौल तक परिवर्तन साइकिल यात्रा निकाली गई। चिरंजीवी सेवा सदन, बालाजीपुरम से शुरू होकर मलपुरा, अकोला तक साइकिल चलाई। रास्ते में जगह-जगह सपाइयों ने साइकिल यात्रा का स्वागत किया।

# उत्तर प्रदेश में पूरी ताकत से लड़ेंगे चुनाव : अजय राय

» बसपा से जुड़े पूर्व मंत्री राज बहादुर सिंह कांग्रेस में हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि पार्टी प्रदेश की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसके लिए वह हर उस व्यक्ति को अपने साथ जोड़ेगी जो भाजपा को हराने में उनके साथ खड़े होंगे। हम पूरी ताकत के साथ लोक सभा चुनाव लड़ेंगे।

यूपी में लोकसभा चुनाव के पहले सपा व बसपा से कांग्रेस में नेताओं के शामिल होने का सिलसिला जारी है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रवि प्रकाश वर्मा के कांग्रेस में शामिल होने के एलान के बाद बसपा सरकार में मंत्री रहे राज बहादुर सिंह भी कांग्रेसी हो गए। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ली। उनके

साथ ही उनके सैकड़ों समर्थक भी कांग्रेसी हो गए। इसके अलावा, आईपीएस उमेश सिंह ने भी कांग्रेस की सदस्यता ले ली। यूपी में कांग्रेस आक्रामक अंदाज में अपने अभियान को आगे बढ़ा रही है।

## खरगे से मिले रवि वर्मा

पूर्व सांसद रवि वर्मा और उनकी बेटी डॉ. पूर्वी वर्मा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद डॉ. पूर्वी वर्मा ने एक्स पर फोटो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि बड़ों का आशीर्वाद लेकर अब आगे बढ़ने का समय है। इस फोटो के शेयर होने के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेसियों ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया।

# यह वक्त भी कट जाएगा मां : अदीब

» जेल में बंद तजीन फात्मा से मिले आजम के बड़े बेटे

» देखते ही भावुक हो उठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में सात साल की सजा काट रहीं डॉ. तजीन फात्मा से मिलने के लिए उनके बड़े बेटे अदीब आजम जिला कारागार पहुंचे। वह मां से मिलकर भावुक हो गए।

सजा के बाद आजम खां को सीतापुर और उनके बेटे को हरदोई शिफ्ट कर दिया गया था, जबकि उनकी पत्नी रामपुर जेल में ही बंद हैं। रामपुर जेल में बंद डॉ. तजीन फात्मा से मुलाकात करने के लिए उनके बड़े बेटे अदीब जिला कारागार पहुंचे। उनके साथ अदीब की मौसी भी थीं। मुलाकात करने के बाद अदीब ने कहा कि उनकी मां तजीन फात्मा का स्वास्थ्य ठीक है लेकिन, जेल तो जेल ही है, यह वक्त भी निकल जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वह अपने पिता और

भाई से भी मुलाकात करने जाएंगे। मां से मुलाकात करने के बाद वह काफी भावुक हो गए। तजीन फात्मा ने उन्हें गले लगा लिया।

जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई मशीन बरामद होने के मामले में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दोस्त सालिम और अनवार की निशानदेही पर पुलिस ने पिछले साल सितंबर जौहर यूनिवर्सिटी से रामपुर नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन बरामद की थी। यह मशीन यूनिवर्सिटी कैंपस में दबाई गई थी। इस मामले में भाजपा नेता बाकर अली खां की ओर से सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम व अनवार व सालिम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस विवेचना कर चार्जशीट भी कोर्ट में दाखिल कर चुकी है।

आरोपी अनवार व सालिम को जमानत मिल चुकी है। इस मामले में आजम और अब्दुल्ला की ओर से अग्रिम जमानत दाखिल की गई थी, जिसे कोर्ट ने सात अक्टूबर को खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने स्थायीजमानत के लिए सेशन कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। कोर्ट में इस मामले की सुनवाई शनिवार को होनी थी, लेकिन वकीलों की हड़ताल के कारण इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी थी। अब सोमवार को सुनवाई होगी।

# गुजरात में भाजपा का पर्दाफाश : आतिशी

» आप नेताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कराने की सच साबित हुई बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता व मंत्री आतिशी ने दावा किया है कि भाजपा में लगातार अरविंद केजरीवाल का डर बढ़ता जा रहा है। इसी झल्लाहट में भाजपा अपनी एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए आप नेताओं पर झूठे मुकदमे कर रही है। गुजरात में आम आदमी पार्टी के देवियापाड़ा विधानसभा से विधायक चैतर वसाबा पर लगाया गया झूठा मुकदमा इसी का प्रमाण है। इतना ही नहीं, गुजरात में आदिवासी विरोधी भाजपा का पर्दाफाश हुआ है।

पार्टी मुख्यालय में आतिशी ने कहा कि भाजपा गुजरात के आदिवासियों के बेटे, उनकी मजबूत आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। भाजपा के इस झूठे केस का जबाव आने वाले लोकसभा चुनाव में गुजरात का पूरा आदिवासी समाज देगा। गुजरात में भाजपा ने किसी भी आदिवासी नेता को नहीं उभरने दिया, अब भाजपा आदिवासियों की आवाज बने चैतर वसाबा को भी झूठे केस में फंसाकर रोकने का प्रयास कर रही है। चैतर वसाबा पर झूठा केस लोकसभा चुनाव में उनका आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करने से रोकने की भाजपा की साजिश है। दूसरी ओर उन्होंने कहा कि गत दिनों उन्होंने आम आदमी पार्टी के एक-एक नेता, विधायक, मंत्री, सांसद पर झूठे केस लगाने की भविष्यवाणी की थी जो सच साबित हो रही है। दो दिन पहले दिल्ली के श्रम मंत्री राजकुमार आनंद के घर 18 साल पुराने केस में 20 घंटे तक छापा मारा गया। वहीं शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के गुजरात के देवियापाड़ा से विधायक चैतर वसाबा पर भी इसी तरह का झूठा मुकदमा लगाया गया है। दरअसल चैतर बसाबा ने वन विभाग की ओर से एक आदिवासी किसान की फसल काटने का मुद्दा उठाया था। इस कारण उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं उनकी पत्नी को जेल में डाला है।

## ट्विटर पर भिड़े केजरीवाल व मनोहर लाल खट्टर

हरियाणा के सीएम मनोहर लाल और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को ट्विटर पर भिड़ गए। मामला मनोहर लाल के चार नवंबर को किए एक ट्वीट से जुड़ा हुआ है। हरियाणा के सीएम ने चार नवंबर को एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि सरकार ने 60 वर्ष से ऊपर की आयु के लोगों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना बनाई है। सरकार अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, मथुरा, अमृतसर, पटना साहिब आदि तीर्थ स्थानों के लिए रेलवे यात्रा मुफ्त में करवाएगी। निश्चित रूप से आपको इस योजना का लाभ उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना पूरे देश में अभी तक केवल दिल्ली में चल रही थी। पहली बार दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने चलाई। इस योजना के तहत हम दिल्ली के 75,000 से ज्यादा बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवा चुके हैं।

# अब शुरू होगा मान-मनौव्वल का दौर

## कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर किए तीखे वार

» चुनाव में वार-पलटवार शुरू साथियों में भी मतभेद खुलकर सामने आए

» महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर राजस्थान में पड़ेंगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोक सभा चुनाव 2024 वह पांच राज्यों के चुनाव करीब आते जा रहे हैं नेताओं की जुबान तीखी होती जा रही। पक्ष विपक्ष में तो वार-पलटवार हो ही रहा है। साथी दलों पर नेता हमला करने से चूक नहीं रहे हैं। चाहे सपा मुखिया अखिलेश यादव व बिहार के सीएम नीतीश कुमार द्वारा कांग्रेस पर हमला हो या राजग के सहयोगियों द्वारा भाजपा पर अदेखी का आरोप हो। ऐसा लगता है चुनावों में येनकेन प्रकारेण जीतने की कवायद में सभी सियासी दल जुटे हैं। चुनावों के परिणाम ही बताएंगे कि किसको कितना लाभ मिलता है। वार-पलटवार के बाद मान मनौव्वल का दौर भी शुरू हो गया है। मध्य प्रदेश के चुनावी अभियान में भाजपा और कांग्रेस में वार-पलटवार चल रहा है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमला बोला है। कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया ने जो किया वो जनता ने देखा है। कांग्रेस पर फर्जी ऋण माफी प्रमाण पत्र बांटने का आरोप लगाने पर कमलनाथ ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है। सिंधिया ने खुद को कांग्रेस के लिए काला कौआ बताया था जिसपर कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया कुछ भी कहें सब जानते हैं कि उनकी क्या डील हुई। सब जानते हैं कि उन्होंने हमारी सरकार से किस तरह का लाभ लिया और जनता को गुमराह किया।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 से ठीक पहले प्रदेश का एक ताजा चुनावी सर्वे सामने आया है। इस सर्वे में प्रदेश की जनता से चुनावी मुद्दों के बारे में पूछा गया। महंगाई और बेरोजगारी जैसे बड़े मुद्दों पर लोगों से बात की तो प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस के बजाय बीजेपी पर भरोसा जताया। चूंकि ये दोनों मुद्दे बहुत महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव में ये दोनों मुद्दे बड़े असरकारी माने जाते हैं। अगर इन दोनों मुद्दों के आधार पर लोग वोट करेंगे तो कांग्रेस के बजाय बीजेपी भारी पड़ती नजर आ रही हैं। प्रदेश के लोगों को महंगाई से राहत देने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने काफी प्रयास किए। मुफ्त इलाज और मुफ्त बिजली सहित लोगों को दी गई राहत के बदले कांग्रेस जनता से समर्थन की अपेक्षा कर रही है लेकिन महंगाई पर नियंत्रण पाने में लोग कांग्रेस के बजाय बीजेपी पर भरोसा जता रहे हैं। महंगाई के मुद्दे पर आप किसे वोट देंगे। इस सवाल के जवाब में 48 फीसदी लोगों ने बीजेपी पर भरोसा जताया जबकि कांग्रेस पर केवल 42 फीसदी लोगों ने ही विश्वास जताया है। विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा क्या होगा। इस सवाल के जवाब में 21 फीसदी लोगों ने बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा बताया जबकि 20 फीसदी लोगों ने महंगाई को जरूरी मुद्दा बताया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का दावा है कि युवाओं को रोजगार देने में कांग्रेस सरकार ने बेहतरीन काम किया। करीब 3 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दीं। बेरोजगारी के मुद्दे पर सर्वे में जो लोगों ने राय रखी। वह कांग्रेस के लिए फायदेमंद नजर नहीं आ रही है। बेरोजगारी के मुद्दे पर 44 फीसदी लोगों ने बीजेपी को समर्थन देने की बात कही जबकि 40 फीसदी लोगों ने कांग्रेस का समर्थन किया। शेष 16 फीसदी ने दोनों ही दलों का साथ नहीं दिया।

### सब जानते हैं किसको क्या मिला : कमलनाथ

सिंधिया ने बीते दिन कहा था कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में फर्जी ऋण माफी पत्र बांटे थे। इसपर आज पलटवार करते हुए कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया भी ऋण माफी के प्रमाणपत्रों के वितरण के गवाह थे। बता दें कि मध्य प्रदेश उन पांच राज्यों में से एक है जहां 17 नवंबर को एक चरण में मतदान होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। मतदाता 230 विधानसभा क्षेत्रों से विधायक चुनेंगे। सिंधिया काले हो यां पीला कौआ, हमें कुछ नहीं लेना देना। सिंधिया ने खुद को कांग्रेस के लिए काला कौआ बताया था, जिसपर कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया कुछ भी कहें, सब जानते हैं कि उनकी क्या डील हुई। सब जानते हैं कि उन्होंने हमार सरकार से किस तरह का लाभ लिया और जनता को गुमराह किया। कमलनाथ ने कहा कि सिंधिया काले हैं या पीले, इसका जवाब मुझे नहीं देना है। इससे पहले,एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, सिंधिया ने अपने पूर्व पार्टी सहयोगियों को लोकप्रिय बॉलीवुड गीत झूठ बोले कौवा काटे की याद दिलाई और कहा कि वह कांग्रेस के लिए काला कौआ थे कांग्रेस को उनसे डरना चाहिए।किसानों की कर्जमाफी के नाम पर 26 लाख फर्जी प्रमाणपत्र बांटे गए। उनमें से कुछ प्रमाणपत्र मैंने भी बांटे। एक पुरानी कहावत है, झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो। मैं कांग्रेस के लिए काला कौआ हूं।

## समाजिक न्याय करने वालों को बताया जाता है जातिवादी : अखिलेश

इंडिया गठबंधन में बिखराव की खबरों के बीच सपा मुखिया अखिलेश ने नीतीश की तरह कांग्रेस पर हमला बोला है। इसका असर लोकसभा चुनावों में दोनों दलों के गठबंधन पर पड़ सकता है। हम आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांगेस पर उनकी पार्टी को 'जातिवादी और वंशवादी' बताने के लिए निशाना साधते हुए कहा है कि कांग्रेस अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जैसी ही भाषा बोल रही है। अखिलेश यादव ने साथ ही यह भी कहा है कि यह तो अच्छा हुआ कि हमें पहले ही कांग्रेस की मंशा का पता चल गया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस का इतिहास गठबंधन साथियों को धोखा देने वाले का रहा है। अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी में कांग्रेस की ओर से सेंध लगाये जाने पर भी नाराजगी जताई। छतरपुर जिले के चंदला में कहा, ''यह कांग्रेस ही थी जिसने मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया।'' कांग्रेस कहती है कि सपा 'जातिवादी और वंशवादी' पार्टी है, तो फिर उसमें और भाजपा में क्या अंतर है? वे दोनों एक ही भाषा बोलते हैं।'' वंशवादी राजनीति हर पार्टी में मौजूद है। उन्होंने कहा कि जो भी सामाजिक न्याय की बात करेगा उसे जातिवादी होने का आरोप झेलना पड़ेगा। राज्य में कांग्रेस द्वारा सपा उम्मीदवारों की खरीद-फरोख्त पर यादव ने कहा, ''यह उनके इरादों को दर्शाता है...उन्हें ऐसा करने दीजिए। भागों की संख्या से अधिक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। चुनाव के बाद किसी पार्टी को समर्थन देने पर यादव ने कहा कि वह केवल उसी पार्टी को समर्थन देने पर विचार करेंगे जो जातीय जनगणना कराएगी। नीतीश बयान से देर रहे अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस बयान पर टिप्पणी करने से परहेज किया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में कुछ भी नहीं हो रहा है, उन्होंने कहा कि वह इस बारे में बाद में बात करेंगे। सपा प्रमुख यादव ने कहा, ''भाजपा भी अब पिछड़े वर्गों को अधिक टिकट देने की बात कर रही है। यह मानसिकता में बड़े बदलाव को दर्शाता है। यहां तक कि कांग्रेस, जिसने आजादी के बाद जातीय जनगणना कराना बंद कर दिया था, अब इसके बारे में बात कर रही है...इसका मतलब है कि उन्हें पीडीए की ताकत का एहसास हो रहा है।''

## नीतीश को मनाने में जुटे खरगे

गत दिनों बिहार में नीतीश कुमार ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की व्यस्तता को हाल के महीनों में हासिल की गई गति को आगे ने बढ़ाने में भूमिका बताई थी। बिहार के सीएम ने गठबंधन में कांग्रेस के रवैये पर नाराजगी जताते उसे कोसा था। अब कांग्रेस नीतीश कुमार को मनाने में लग गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनसे फोन पर बात की और उन्हें बताया कि विपक्षी गठबंधन उनकी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस अभी पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और राज्य चुनाव खत्म

होने के बाद इंडिया ब्लॉक के एजेंडे और संयुक्त रैलियों पर ध्यान केंद्रित करेगी। सूत्रों के मुताबिक, मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार से कहा कि कांग्रेस तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां पार्टी का बड़ा दांव है। जद (यू) नेता ने यह टिप्पणी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की पटना में एक रैली में की, जिसका विचारोत्तेजक विषय था भाजपा हटाओ, देश बचाओ (भाजपा को सत्ता से बेदखल करो, देश बचाओ। नीतीश कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की दिलचस्पी पांच विधानसभा चुनावों में ज्यादा नजर आ रही है। भारत गठबंधन में हम सभी कांग्रेस को अग्रणी भूमिका सौंपने पर सहमत हुए। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वे जवाब देंगे और अगली बैठक तभी बुलाएंगे जब मौजूदा चुनाव संपन्न हो जाएंगे। जेडीयू नेता ने जून में पटना में विपक्षी नेताओं की पहली बैठक की मेजबानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे इंडिया ब्लॉक के गठन की दिशा तय हुई थी। विपक्षी नेताओं की दो अन्य बैठकें जुलाई में बेंगलुरु में और अगस्त और सितंबर के बीच मुंबई में हुई। यह गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है।

## बीजेपी को मिल सकता है कुछ फायदा

**बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर भले ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने कई योजनाएं लांच करते हुए प्रदेश की जनता को राहत देने का प्रयास किया लेकिन ज्यादातर लोग बीजेपी के समर्थन में खड़े हैं। गहलोत के तमाम प्रयास धरातल पर कारगर होते नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि एनडीटीवी और सीएसडीसी का यह सर्वे 30 विधानसभा क्षेत्रों में किया गया। 3032 लोगों से सीधी बात करके उनसे विभिन्न सवाल पूछे गए। 24 से 30 अक्टूबर तक किए गए इस सर्वे के आधार पर यह ओपिनियन पोल सार्वजनिक किया गया है।**

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# बार-बार भूकंप का आना खतरे का संकेत

**नेपाल में एक महीने के भीतर तीसरी बार 6.4 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, जिसके तेज झटके दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में महसूस किए गए। भूकंपविज्ञानी ने चेतावनी दी कि लोगों को सतर्क रहना चाहिए और तैयार रहना चाहिए क्योंकि नेपाल में केंद्रीय बेल्ट को सक्रिय रूप से ऊर्जा जारी करने वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है।**

*नेपाल में पिछले एक सालमें कई बार भूकंप आ चुकी है। इस तरह वहां बार-बार भूकंप आना छोटी बात नहीं, पृथ्वी पर आने वाला है एक बड़ा खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों ने सक्रि य भूकंपीय बेल्ट से जुड़ी बड़ी चेतावनी दी। इस तरह के भूकंप इस क्षेत्र में बीते दो महीने कई बार आ चुके हैं। ये छोटे से बड़े हो रहे हैं। अब वैज्ञानिकों को इस पर और शोध करने की जरूरत है कि ऐसा बार-बार क्यों हो रही है। इसपर कुछ ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है ताकि मानवीय क्षति कम से कम हो। दरअसल नेपाल में एक महीने के भीतर तीसरी बार 6.4 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, जिसके तेज झटके दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में महसूस किए गए।*

*भूकंपविज्ञानी ने चेतावनी दी कि लोगों को सतर्क रहना चाहिए और तैयार रहना चाहिए क्योंकि नेपाल में केंद्रीय बेल्ट को सक्रिय रूप से ऊर्जा जारी करने वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है। पहले वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी में काम कर चुके भूकंपविज्ञानी ने कहा कि शुक्रवार को आए भूकंप का केंद्र नेपाल के डोटी जिले के करीब के क्षेत्र में था। 3 नवंबर 2022 में जिले में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। अभी तक नेपाल में आये भूकंप में 154 लोगों ने अपनी जान गवा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि तीन अक्टूबर को नेपाल में एक के बाद एक आए भूकंपों की श्रृंखला भी इसी क्षेत्र के आसपास थी। नेपाल के मध्य बेल्ट में स्थित हैं, हालांकि थोड़ा पश्चिम में। भूकंपविज्ञानी ने कहा कि लोगों को सतर्क और सतर्क रहना चाहिए। कई वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि हिमालय क्षेत्र में कभी भी एक बड़ा भूकंप आएगा क्योंकि भारतीय टेक्टोनिक प्लेट उत्तर की ओर बढ़ने पर यूरेशियन प्लेट के साथ संघर्ष कर रही है। लगभग 40-50 मिलियन वर्ष पहले जब भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकराने के लिए हिंद महासागर से उत्तर की ओर बढ़ी तो हिमालय का निर्माण हुआ। वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय के नीचे दबाव बन रहा है क्योंकि भारतीय प्लेट उत्तर की ओर बढ़ रही है, जिससे यूरेशियन प्लेट के साथ संघर्ष पैदा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हिमालय पर दबाव संभवत: एक या कई बड़े भूकंपों के माध्यम से जारी होगा, जिनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर आठ से अधिक होगी। हालाँकि, सटीक विष्यवाणी करने का कोई तरीका नहीं है कि वास्तव में इतना बड़ा भूकंप कब आएगा। वहीं भू वैज्ञानिकों का कहना है हिमालयी क्षेत्रों में अनियंत्रित विकास भी इसकी वजह हो सकता है। इसलिए अब नीति निर्धारकों को इस गंभीरता से सोचने की जरूरत है।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# युवाओं के लिए रोजगार सृजन बने प्राथमिकता

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

रेत के टिब्बों, सीमित संसाधनों के बीच एक नवम्बर, 1966 को महापंजाब से जन्मे हरियाणा ने कई चुनौतियों के बावजूद खुद को खड़ा किया। मेहनतकश धरतीपुत्र किसानों की बदौलत जहां रेतीले टिब्बे हरे-भरे लहलहाते खेतों में तब्दील हुए वहीं देश की राजधानी से निकटता और उद्यमियों की कड़ी मेहनत की बदौलत इन 57 साल के सफर में हरियाणा प्रगति के पायदान चढ़ा। आज देश के 50 फीसदी यात्री वाहन और 500 से अधिक फोर्च्युन कंपनियों के मुख्यालय हरियाणा में हैं। पिछले कुछ बरस से विकास की रफ्तार के साथ सरकार रोजगार का तालमेल बैठाने में विफल रही। प्रदेश में रोजगार सृजन सरकार की प्राथमिकता में नहीं इसलिए बेरोजगारी के मामले में देश में अव्वल है। इससे हरियाणा के युवाओं की उम्मीदें धूमिल हुई हैं। दरअसल बेरोजगारी से लड़ने का हथियार केवल और केवल रोजगार पैदा करना है।

बेरोजगारी से निपटने के गंभीर प्रयास करने की बजाय 'इवेंट मैनेजमेंट' में उलझी भाजपा-जजपा सरकार ने 15 जनवरी, 2022 को हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2022 पेश किया था जिसके तहत निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय निवासियों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। लेकिन इस कानून के तहत आज तक एक भी नौकरी नहीं मिली। इस अधिनियम की वैधता और संवैधानिकता को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती मिली इसलिए सरकार का यह प्रयास भी कारगर साबित नहीं हो पाया। बेरोजगारी का संकट कितना व्यापक है और हरियाणा के अनगिनत युवाओं को किस हद तक प्रभावित कर रहा है, इसका अंदाजा एनएसएसओ के आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि हरियाणा देश के सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर वाले राज्यों में केरल के बाद दूसरे स्थान पर है। जुलाई, 2022 से जून, 2023 तक 15 से 29 साल आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 17.5 फीसदी रही। जबकि, 2013-14 में कांग्रेस शासनकाल में हरियाणा में बेरोजगारी दर महज 2.5 फीसदी थी।

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) के मुताबिक हरियाणा के विभिन्न सरकारी विभागों में 2,02,576 स्थायी सरकारी पद खाली पड़े हैं। ये हालात बड़ी चिंता का कारण हैं क्योंकि इनके नकारात्मक

नतीजे हो सकते हैं। लंबे समय तक बेरोजगारी का युवाओं के भविष्य पर निगेटिव असर पड़ता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी बिगड़ जाता है। यह राज्य के सामाजिक ताने-बाने के लिए ठीक नहीं है। युवाओं में बड़ता नशा और अपराध इसका जीता-जागता उदाहरण है। रोजगार की तलाश में हरियाणा के युवाओं का विदेशों में पलायन और भी चिंता का विषय है जब अवैध तरीके से माइग्रेशन करने वाले युवा अपनी जान जोखिम में डालते हैं। हर साल औसतन 1.70 लाख युवा राज्य के विभिन्न रोजगार कार्यालयों में अपना पंजीकरण कराते हैं और 2015 से 2022 तक 14 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं ने रोजगार कार्यालयों में अपना पंजीकरण कराया है। हरियाणा में रोजगार के हालात बदतर हैं, पिछले 9 वर्षों में यहां बेरोजगारी दर में 7 गुना की वृद्धि ने बिहार और झारखंड जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग द इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, हरियाणा में बेरोजगारी दर 37.4 फीसदी है। हालांकि, राज्य सरकार इसके आंकड़ों को स्वीकार नहीं करती और इसे निजी एजेंसी के आंकड़े कहकर खारिज कर देती है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के आंकड़े भी सीएमआईई के आंकड़ों का समर्थन करते हैं। विडंबना यह है कि अपनी राजनीतिक सुविधा के मुताबिक सरकार आंकड़ों में हेराफेरी करती है। ऐसा करके वह शायद अपनी नाकामी और निष्क्रियता के अपराध बोध से बचने की आसान कोशिश कर रही है। यही कारण है कि सरकार द्वारा नीतियां बनाने के समय बेरोजगारी दर को महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में शामिल नहीं किया जाता। यह जानकर निराशा और बढ़ जाती है कि जैसे एक मजबूर किसान को अपनी फसल औने-पौने भाव में बेचनी पड़ती है वैसे ही उच्च शिक्षित युवा चपरासी और सेवादारों जैसे ग्रूप-डी के पदों पर नौकरी के लिए मजबूर हैं।

युवाओं के साथ यह एक भद्दा मजाक है। इस पर सरकार दावा करती है कि वह योग्यता के आधार पर भर्ती करती है, जो युवाओं का खुला अपमान है। राज्य की 50 फीसदी से अधिक आबादी की आजीविका का मुख्य आधार कृषि है। हालांकि, यह क्षेत्र भी तेजी से घटती आमदन के कारण बेरोजगारी से ग्रस्त है। दो लाख से ज्यादा खाली सरकारी पदों में, 60,000 से अधिक ग्रुप सी और डी के पद हैं।

# आर्थिक बदहाली में चुनाव की ओर पाक

जी. पार्थसारथी

पिछले दिनों विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में जिस तरह अनाड़ी कहे जाने वाले अफगान खिलाड़ियों के हाथों पाकिस्तान टीम की शर्मनाक हुई, उससे पाकिस्तानी अवाम बहुत मायूस हुई। कभी क्रिकेट जगत को दिए अपने सबसे काबिल खिलाड़ियों के गौरवमयी इतिहास की विरासत पर नाज करना और इसके बने रहने की आस करना स्वाभाविक भी है। लेकिन हालिया हार ने देश में मुश्किल आर्थिक हालातों से पहले से व्याप्त मायूसी में और इजाफा कर दिया। लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति (फिलहाल 29.5 फीसदी) के बीच पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि असामान्य रूप से महज 0.5 प्रतिशत दर्ज हुई है। मौजूदा ब्याज दर (22 प्रतिशत) होने से देश में व्यापारिक गतिविधियां बर्बादी की कगार पर हैं। चंद हफ्ते पहले, पाकिस्तान केंद्रीय बैंक ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 4.19 बिलियन डॉलर रह गया है, जिससे केवल एक महीने का आयात संभव है, वह भी जो, बहुत-सी बंदिशों के बाद करना जरूरी है। यह स्थिति न केवल अर्थशास्त्रियों के लिए बल्कि आम लोगों के लिए एक दु:स्वप्न है, हालिया भयंकर बारिश और अचानक आई अभूतपूर्व बाढ़ से देशभर मे 3.3 करोड़ लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सैलाब में लगभग 10000 लोगों की मौत और तकरीबन 10 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ बताया गया है।

आर्थिक दुष्चक्र के अलावा ऐसी राजनीतिक घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण इमरान खान सरकार को जाना पड़ा। उनकी जगह शाहबाज शरीफ ने ली, जो पंजाब के सफल मुख्यमंत्री रह चुके हैं। हालांकि केंद्र में आकर उन्हें खस्ताहाल आर्थिकी और देशभर में व्याप्त ध्रूवीकरण से जूझना पड़ा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों के सामने झुकने और अंतत: पूरा करने से पहले, पाकिस्तान को समझौते के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। लेकिन इस सारी सहायता के बावजूद, पाकिस्तान अभी भी विदेशी खैरात पर गुजर करने वाला एक मुल्क है।

अपनी तंगदस्ती से वक्ती राहत पाने को वह समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और पड़ोसी अरब मित्र देशों, खासकर सऊदी अरब और यूएई से, मिली आर्थिक सहायता पर निर्भर है। इसी बीच जनरल असीम मुनीर, जो पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा के खासमखास थे, सेना प्रमुख बन गए। जनरल मुनीर के जहन में अवश्य ही वह यादें होंगी, जब इमरान खान ने उन्हें आईएसआई प्रमुख होने से महरूम रखा था और गैर-महत्वपूर्ण ओहदे देकर इधर-उधर घुमाते रहे। इस घटनाक्रम ने एक ओर इमरान खान तो दूसरी तरफ जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली सेना के बीच 'सब जायज है' वाली तनातनी की स्थिति बना दी। इमरान खान के खिलाफ अनेक मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायलय के मुख्य न्यायाधीश फैज ईसा का झुकाव उनको बचाने की ओर है। लेकिन मुख्य न्यायाधीश ईसा की राह भी अब उतनी आसान नहीं रही, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति उपरांत कनिष्ठ सहयोगियों की नजर इस ओहदे पर है और उनके अंदर न तो इमरान खान को बचाने में फैज ईसा जितना चाव है और न ही वे ऐसा करके सेना की नाराजगी मोल लेना चाहेंगे, जो आज भी मुल्क में बहुत ताकतवर और प्रभाव रखती है। इस सब के बीच, देश चुनावी लय पकड़ चुका है। जनवरी, 2024 में संसदीय चुनाव करवाने का कार्यक्रम है।

उम्मीद करें कि पाकिस्तान की चुनाव मशीनरी, कानून एवं व्यवस्था और सेना की मदद से ऐसा प्रबंध करवा पाएगी, जो आगामी राष्ट्रीय चुनाव सफलतापूर्वक करवाने को जरूरी है। वर्तमान में तिथियां अगले साल जनवरी माह में करवाए जाने की हैं। फिलहाल जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के लिए आगे भी विकटता बनी रहेगी, खुद सेना के अंदर जनरल मुनीर को लेकर मतभेद हैं, क्योंकि उन्हें यह ओहदा पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा की 'आंख का तारा' होने की वजह से मिला है। खुद बाजवा के करिश्माई नेता इमरान खान से तीखे मतभेद हैं। लिहाजा ऐसी संभावना कम ही है कि इमरान खान कथित स्वतंत्र और पारदर्शी संसदीय चुनाव में बहुमत ले पाएंगे। शाहबाज सरकार ने इमरान खान पर अनेक मामले दर्ज दिए थे और इस काम में उनकी पीठ पर सेना का हाथ था। इसके अलावा, इमरान खान ने अपने घमंडी और शाही मिजाज से राजनीतिक बिरादरी में कई मित्र गंवा दिए हैं, इनमें भी सबसे अहम है सेना के शीर्ष नेतृत्व में, जो अब उनकी चुनावी हार करवाने पर आमादा है।

उधर जनरल बाजवा से निकट संबंध होने के बावजूद जनरल मुनीर, धार्मिक आधार पर बंटे और सुन्नियों के दबदबे वाले पाकिस्तान में एक शिया सेनाध्यक्ष हैं। विगत में दो शिया सेनाध्यक्ष रहे हैं, जनरल मोहम्मद मूसा (1965) और याहया खान (1971) और दोनों के वक्त पाकिस्तान को भारत से युद्ध में करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसलिए देखना यह है कि क्या जनरल मुनीर अपने पूर्ववर्ती और संरक्षक जनरल बाजवा की यथार्थवादिता को दोहराएंगे या फिर जनरल याहया खान की 1971 वाली लीक पर चलने को तरजीह देंगे। लगता है जनरल मुनीर अपनी छवि भारत के खिलाफ कड़े बयानों वाली बनाना चाहते हैं। हाल ही में जम्मू संभाग में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी और घुसपैठ हुई है। उम्मीद है, अपने पद पर जमने के बाद जनरल मुनीर अपने पूर्ववर्ती की राह पर चलेंगे और पाकिस्तान की आर्थिक जरूरतों और हदों के आलोक में यथार्थवादी नजरिया रखेंगे। अगले साल भारत और पाकिस्तान में चुनावी माहौल का जोर रहेगा।

## करेला

करेला एंटी डायबिटिक फूड है और यह दिल के लिए फायदेमंद है। इसे खाकर गंदे कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और खून साफ होता है। यह पेट, स्किन, हेयर और आंखों की रोशनी बढ़ाता है। करेला में कैलोरी काफी कम मात्रा में होती है और इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसे खाने से पेट ज्यादा देर तक भरा रहता है और इससे वजन कम होने में भी मदद मिलती है। आप करेला को वेट लॉस जर्नी में जरूर शामिल करें।

## लौकी

पानी से भरा ये फूड कब्ज से राहत दिलाता है। परवल की तरह यह भी लो कैलोरी है, जिसे खाकर वेट लॉस कर सकते हैं। यह लिवर को हेल्दी बनाता है और हाइपरटेंशन को दूर करता है। यदि आप लौकी का रोजाना सेवन करें, तो आपकी मानसिक तनाव बहुत हद तक दूर हो सकती हैं। आप टेंशन फ्री जिंदगी जी सकते है। लौकी में मौजूद पानी आपके दिमाग को तरोताजा बनाएं रख सकता है।

## गाजर, चुकंदर और सफेद पेठा

गाजर खाने से नजर तेज होती है और यह इम्यूनिटी और दिमाग बढ़ाता है। चुकंदर फोलेट और सेल्स फंक्शन बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मसल्स, दिल और दिमाग को पर्याप्त ऑक्सीजन से भरपूर खून मिलता है। सफेद पेठा ठंड में भी पेट का ध्यान रखता है। गाजर आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसमें

विटामिन ए पाया जाता है।

# जाड़े में खाएं ये सब्जियां

## बीमारियों से रहेंगे दूर

सर्दियों में फ्लू, खांसी, बुखार, जकड़न बहुत होने लगती है, जिससे बचने के लिए खाने पर बहुत ध्यान दें। खाने की थाली में इम्यूनिटी बढ़ाने वाले फूड्स को शामिल करें। दशहरा खत्म होने के बाद ठंड का औपचारिक ऐलान हो जाता है। गुलाबी ठंड में इम्यूनिटी कमजोर होती है और इंफेक्शन के कारण आसानी से बीमार पड़ सकते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली डाइट लेने से फ्लू, बुखार, खांसी-जुकाम को दूर किया जा सकता है। ठंड की डाइट में परवल, लौकी, करेला, रतालू, मूली, गाजर, चुकंदर और सफेद पेठा डालने के लिए कहा है। सर्दी में सादा पानी नुकसान कर सकता है, उसके अंदर कुछ चीजें डालनी चाहिए।

### पानी में डालें ये चीजें

सर्दियों में पीने से पहले पानी को तेज उबालना चाहिए। जब पानी 75 प्रतिशत रह जाए तो इसे उतार लें और पित्त दोष कम करने वाली जड़ी-बूटी पुनर्नवा, लोधरा, आंवला और उशिरा डालकर पीएं।

## रतालू और मूली

रतालू और मूली दोनों ठंड की सब्जियां हैं। इनमें कई सारे मैक्रो और माइक्रो न्यूट्रिएंट होते हैं। जहां रतालू विटामिन सी, विटामिन बी5, मैंगनीज, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फोलेट देता है, वहीं मूली का सेवन डायबिटीज, हाई बीपी, हार्ट डिजीज, डायजेस्टिव डिसऑर्डर, फंगल इंफेक्शन में राहत देता है। रतालू में पोषक तत्वों की भरमार है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार करीब 100 ग्राम रतालू में कैलोरी 118, वसा, 0.2 ग्राम, पोटेशियम 816 मिलीग्राम, कार्बोहाइड्रेट 28 ग्राम, फाइबर करीब 4 ग्राम, प्रोटीन 1.5 ग्राम, विटामिन सी 28 प्रतिशत, विटामिन बी-6 की मात्रा 15 प्रतिशत, विटामिन ए 2 प्रतिशत, लोहा 2 प्रतिशत और मैगनीशियम 5 प्रतिशत पाया जाता है।

## परवल

परवल में बहुत कम कैलोरी के साथ विटामिन सी, विटामिन ए, पोटैशियम, कॉपर, डाइटरी फाइबर होता है, जो डायजेशन बढ़ाता है। दिमाग की क्षमता और इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए इसे खाना चाहिए। परवल कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने का काम करता है। इसमें पाया जाने वाला एंटी-हाइपरलिपिडेमिक गुण, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मददगार साबित होता है।

## हंसना मना है

मां अपने बेटे से- उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से- तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

पहला सरदार- मैंने अपनी वाईफ को 12वी पास करवाई, फिर, बी. ए.। फिर एम .ए. और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार- अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार- साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ। तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त- क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, तो वह 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

गधा- यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता - घर छोड़ दे? गधा- नही यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दुंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

भिकारी- साहब एक रुपया दे दो। साहब- तुम्हे शरम नहीं, रोड पर खड़े होकर भीक मांगते हो, भिखारी- अब तुझे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलुं क्या?

## कहानी | जब पंडित जी नदी में बह गए..

आज गंगा पार होने के लिए कई लोग एक नौका में बैठे, नौका में एक पंडित जी भी सवार थे। पंडित जी ने नाविक से पूछा क्या तुमने भूगोल पढ़ी है? नाविक बोला- भूगोल क्या है इसका मुझे कुछ पता नहीं। पंडितजी ने पंडिताई का प्रदर्शन करते कहा, तुम्हारी पाव भर जिंदगी पानी में गई। फिर पंडित जी ने पूछा- इतिहास जानते हो? महारानी लक्ष्मीबाई कब और कहां हुई तथा उन्होंने कैसे लडाई की? नाविक ने अपनी अनभिज्ञता जाहिर की तो पंडित जी ने कहा, तुम्हारी तो आधी जिंदगी पानी में गई। फिर विद्या के मद में पंडित जी ने पूछा महाभारत का भीष्म-या रामायण का केवट और भगवान श्रीराम का संवाद जानते हो? अनपढ़ नाविक क्या कहे, उसने इशारे में ना कहा, तब पंडित जी मुस्कुराते हुए बोले तुम्हारी तो पौनी जिंदगी पानी में गई। तभी अचानक गंगा में प्रवाह तीव्र होने लगा। नाविक ने सभी को तूफान की चेतावनी दी, और पंडितजी से पूछा नौका तो तूफान में डूब सकती है, क्या आपको तैरना आता है? पंडित जी गभराहट में बोले मुझे तो तैरना-वैरना नहीं आता है? नाविक ने स्थिति भांपते हुए कहा- तब तो समझो आपकी पूरी जिंदगी पानी में गयी। कुछ ही देर में नौका पलट गई। और पंडित जी बह गए।

**शिक्षा**-विद्या वाद-विवाद के लिए नहीं है और ना ही दूसरों को नीचा दिखाने के लिए है। लेकिन कभी-कभी ज्ञान के अभिमान में कुछ लोग इस बात को भूल जाते हैं और दूसरों का अपमान कर बैठते हैं। याद रखिये शास्त्रों का ज्ञान समस्याओं के समाधान में प्रयोग होना चाहिए शस्त्र बना कर हिंसा करने के लिए नहीं। जो पेड़ फलों से लदा होता है उसकी डालियां झुक जाती हैं। धन प्राप्ति होने पर सज्जनों में शालीनता आ जाती है। इसी तरह विद्या जब विनयी के पास आती है तो वह शोभित हो जाती है। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है, विद्या विनयेन शोभते।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज आपकी वाणी में सौम्यता रहेगी। परन्तु स्वभाव में कठोरता हो सकती है। एक अर्से तक चली उथल-पुथल व असमंजस का अंत होगा।

**वृषभ**

आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। हो सके तो वक्त और पैसों को मनोरंजन की चीजों पर ज्यादा खर्च न करें। आप शांत होकर विवादों को हल करने की कोशिश करें।

**मिथुन**

आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार से फायदा होगा लेकिन कोई मानसिक चिंता आपको परेशान कर सकती है। बिजनेस में पैसे का निवेश ना करें।

**कर्क**

आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी। बिजनेसमैन को भी काम में बेहतर अपॉर्चुनिटिज मिलेगी। आप कुछ ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे।

**सिंह**

आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपको परिवार से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। किसी प्रिय मित्र से मिलने का मौका मिलेगा।

**कन्या**

आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। परिवार और संतान पर पूरा ध्यान देंगे। उसमें कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। परिवार में कुछ तनाव का माहौल रहेगा।

**तुला**

आज कोई बिना वजह आपके साथ बहस में उलझ सकता है, लेकिन अगर दांपत्य जीवन में कोई गलतफहमी है तो वह दूर हो सकती है।

**वृश्चिक**

दिन फायदेमंद रहेगा। रूके हुए काम मित्र की मदद से पूरे होंगे। माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। आपको किसी अपने से खुशखबरी मिलेगी।

**धनु**

आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। इनकम कैसे बढ़े, उसपर आप मेहनत करेंगे। परिवार का माहौल तनावपूर्ण रह सकता है। लाइफ खुशनुमा लगेगी।

**मकर**

आज आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा। स्टूडेंट्स को मेहनत करनी पड़ सकती है। दूसरों से असहमती हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के योग हैं।

**कुम्भ**

दिन आपके लिए बेहद खुशनुमा रहेगा। आप रिलेक्स महसूस करेंगे। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ेगा। जो चीजें आपके लिए रूकावटें बन रही हैं।

**मीन**

आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी, जो आपको खुशी देगी। यदि आप शादीशुदा हैं तो दांपत्य जीवन में थोड़ा तनाव रहेगा।

# 10 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक देगी अभिषेक-सैयामी की घूमर

बॉलीवुड | मसाला

घूमर 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सैयामी खेर एक क्रिकेटर की भूमिका निभाई तो वहीं, अभिषेक बच्चन उनके कोच के रोल में नजर आए थे। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिले थे। वहीं आर बाल्की के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अब ओटीटी प्लेफॉर्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है।

इस बात की घोषणा जी5 ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। घूमर की फोटो शेयर करते हुए बताया गया है कि फिल्म 10 नवंबर को जी-5 पर स्ट्रीम होने जा रही हैं। बता दें कि ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें अभिषेक और सैयामि के अलावा अंगद बेदी, शबाना आजमी भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। वहीं फिल्म में अभिताभ बच्चन का भी कैमियो देखने को मिलेगा।

बता दें इस फिल्म की एक खास बात है फिल्म में दिवगंत बिशन सिंह बेदी भी हैं। ये उनकी पहली फिल्म थी, जहां पहली बार अंगद बेदी ने पिता के साथ स्क्रीन शेयर किया है। वहीं दर्शकों ने बिशन सिंह बेदी के किरदार को खूब पसंद किया था। फिल्म की कहानी की बात करें तो घूमर में सैयामी खेर एक पैराप्लेजिक क्रिकेटर की भूमिका निभा रही हैं और अभिषेक बच्चन उनके क्रिकेट कोच के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं फिल्म में अभिषेक के काम को खूब सराहा गया। फिल्म में जिस तरीके से एक्टर ने मोनोलॉग बोला है, वह आपके दिल को छू लेगा। वहीं फिल्म में सैयामी खेर का भी परफॉर्मेंस कहीं पर भी नहीं डगमगाया है।

# कुछ कुछ होता है की अंजलि ने मुझ पर किया गहरा असर : रकुल प्रीत

## अंजलि का ड्रेसिंग सेंस आया पसंद

रकुल प्रीत सिंह फिल्म इंडियन के सीक्वल को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म मेकर्स ने शुक्रवार को इस फिल्म का दमदार टीजर जारी किया, जिसमें रकुल प्रीत सिंह की झलक भी दिखाई गई। इस बीच, अब अभिनेत्री ने शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और काजोल स्टारर फिल्म कुछ-कुछ होता है को लेकर बात की। रकुल ने बताया कि इस फिल्म में वह काजोल के रोल से काफी प्रभावित रहीं।

एक मीडिया बातचीत के दौरान रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि करण जौहर निर्देशित फिल्म में किरदारों के फैशन और स्टाइल ने उन पर कैसे प्रभाव डाला। उन्होंने अंजलि, राहुल, रानी मुखर्जी के टीना के किरदार को लेकर कहा, टीना का रोल मुझे पसंद आया, लेकिन मुझे काजोल का अंजलि का किरदार ज्यादा अच्छा लगा। जहां टीना फिल्म में ग्लैमरस थीं, वहीं अंजलि एक टॉमबॉय थीं। वह किरदार इतना पसंद आया कि मैं आज भी अंजलि के किरदार से जुड़ी हूं।

रकुल प्रीत सिंह ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं भी टॉमबॉय की तरह रही हूं। जब फिल्म रिलीज हुई थी तब मैं आठ साल की थी। उस समय मुझे यह किरदार इतना पसंद आया कि मैं इसे बार-बार देखती थी। अंजलि का कपड़े पहनने का तरीका, छोटे बाल, हेयर बैंड बहुत पसंद थे। मुझे लगा कि ये कितने ढीले, आरामदायक कपड़े हैं। उन्होंने बताया, मेरे पास फिल्म का एक वीडियो कैसेट था और मैं अंजलि वाले हिस्सों को बार-बार देखती थी।

बॉलीवुड | मन की बात

# मैं अटल हूं की शूटिंग के दौरान मैं सिर्फ खिचड़ी खाकर रहा : पंकज

पंकज त्रिपाठी अपने कमाल अभिनय के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा वह अपनी सादगी से भी दर्शकों का दिल जीतते हैं। असल जिंदगी में वह बेहद विनम्र और सादगी पसंद शख्स हैं। उनके रहन-सहन से लेकर खान-पान तक यह सादगी झलकती है। पंकज त्रिपाठी को घर का बना खाना पसंद है और इसमें भी खिचड़ी उनकी पसंदीदा डिश है। अभिनेता अगले महीने फिल्म मैं अटल हूं में नजर आएंगे, जिसमें वह दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में दिखेंगे। हाल ही में पंकज त्रिपाठी ने खुलासा किया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने लगातार 60 दिनों तक सिर्फ खिचड़ी का सेवन किया। अभिनेता ने हाल ही में खानपान संबंधी अपनी 60 दिवसीय अनोखी दिनचर्या का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने सिर्फ खिचड़ी खाई वह भी अपने हाथों की बनी हुई। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा, आप कभी नहीं जान सकते कि किसी और ने इसे कैसे बनाया है? मैं इसे बिना तेल और मसाले के बनाता हूं। मैं सिर्फ सादा दाल, चावल और स्थानीय सब्जियां मिलाकर खिचड़ी बनाता हूं। पंकज त्रिपाठी का कहना है कि उन्होंने मैं अटल हूं फिल्म की शूटिंग के दौरान खिचड़ी का सेवन इसलिए किया, ताकि वह दिवंगत पीएम के किरदार को बेहतर तरीके से पर्दे पर उकेर सकें। उनके किरदार से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। पंकज ने कहा, जब मैं युवा था, तब मैं समोसा खाकर भी एक्ट कर सकता था, लेकिन आज मुझे याद नहीं कि मैंने आखिरी बार समोसा कब खाया था? अब मुझे अपना तरीका सही रखने के लिए सात्विक आहार की जरूरत है। पंकज त्रिपाठी ने हेल्दी खानपान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सेहत की भलाई के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि यह एक अभिनेता के लिए अपने किरदार को बखूबी निभाने में भी मददगार है। उन्होंने कहा कि खराब खानपान लेने और पेट खराब होने से एक अभिनेता को अपने इमोशंस को प्रभावी तरीके से व्यक्त करने में बाधा होगी।

# क्रिकेट में लकड़ी के बल्ले का ही क्यों होता है प्रयोग, स्टील या प्लास्टिक बैट का क्यों नहीं?

क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का बुखार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। भारत की धमाकेदार परफॉर्मेंस ने सभी का दिल जीत लिया है। बैट हो या बॉल, खिलाड़ी दोनों ही तरीकों से कमाल की परफॉर्मेंस दे रहे हैं। बात अगर बैट की चली है, तो क्या आप ये बता सकते हैं कि क्रिकेट मैच में सिर्फ लकड़ी के बैट का ही प्रयोग क्यों होता है, स्टील, प्लास्टिक या किसी अन्य धातु से बने बल्ले का क्यों नहीं? आपके मन में भी अगर ये सवाल आया होगा, तो आप अकेले नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उनके जवाब देते हैं। कुछ सालों पहले किसी ने कोरा पर सवाल किया- क्रिकेट में लकड़ी के बल्ले का ही इस्तेमाल क्यों किया जाता है? सवाल रोचक लगा, इस वजह से आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि लोगों ने इस सवाल का क्या उत्तर दिया और विश्वस्नीय सोर्स इस सवाल पर क्या राय देते हैं। सबसे पहले जानते हैं कि लोगों ने क्या कहा। अनिमेष कुमार सिन्हा नाम के शख्स ने कहा-जी हां, क्रिकेट में लकड़ी के ही बैट का इस्तेमाल जरूरी है। पहले ये स्पष्ट नियम नहीं था, पर एक मैच में डेनिस लिली अपने दोस्त की कंपनी को प्रोमोट करने के लिए अलमुनियम का बैट लेकर आ गए। यह पर्थ टेस्ट मैच के दौरान 14 दिसंबर , 1979 को इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था। इसके कुछ महीनों बाद लकड़ी के अलावा, किसी भी अन्य पदार्थ का क्रिकेट बैट निषिद्ध कर दिया गया। अब ये नियम है कि क्रिकेट के बैट का हत्था प्रमुखतः बेंत और/या लकड़ी का होना चाहिए। क्रिकेट के बैट का ब्लेड पूर्णतः लकड़ी का होना चाहिए। आपको बता दें कि ऊपर दिया गया उत्तर सही है। लॉर्ड्स वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार बैट दो हिस्सों में बंटा होता है। एक हैंडल होता है और दूसरा ब्लेड। हैंडल वो हिस्सा होता है जिसे खिलाड़ी पकड़ता है, वहीं ब्लेड वो हिस्सा होता है जिससे गेंद को मारते हैं। बैट के हत्थे को बेंत या लकड़ी से बना होना जरूरी है, वहीं ब्लेड पूरी तरह लकड़ी का होना चाहिए।

अजब-गजब | ये है अनोखा समुदाय, इसमें नियम तोड़ने पर मिलती है सजा

# यहां अपने बाल नहीं कटवा सकतीं लड़कियां

आज हम आपको एक ऐसे समुदाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहता तो सामान्य लोगों की तरह है, लेकिन उनकी जीवनशैली, रीति- रिवाज बेहद अनोखे हैं। हर किसी के लिए इनका पालन करना आसान नहीं। धर्म से जुड़े नियमों का कठोरता के साथ पालन किया जाता है। इस समुदाय की लड़कियां आखिरी सांस तक अपने बाल नहीं कटवा सकतीं। शेव करने की इजाजत तक नहीं। नहाने की भी अनुमति नहीं। इतना ही नहीं, अगर कोई इस नियम को तोड़ता पाया गया तो उसे सजा दी जाती है।

हम बात कर रहे अमेरिका में रहने वाले अमीश समुदाय की। हिन्दू धर्म में जन्म के कुछ महीनों या वर्षों बाद मुंडन का रिवाज है। लेकिन अमीश समुदाय में रहने वाली लड़कियां उम्रभर शरीर के किसी भी हिस्से के बाल नहीं कटवा सकतीं। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, अमीश समुदाय में पली-बढ़ी एक महिला ने खुलासा किया कि कैसे उसने 19 साल तक अपने बाल नहीं काटे और स्नान नहीं किया। 38 वर्षीय लिजी एन्स 18 भाई-बहनों के साथ अमीश समुदाय में रहीं। उनके नियमों का सख्ती से पालन करती थीं। उनके घर में न तो बिजली थी और न ही बहता पानी। उन्हें अपने सारे कपड़े खुद ही सिलने पड़ते थे। बाल काटने की इजाजत नहीं थी। सख्ती इतनी ज्यादा थी कि वह परेशान हो गई थीं। मगर एक दिन उनका प्रेमी उन्हें लेकर घर भाग निकला और अब वह सामान्य जीवन जी रही हैं। बालों को लेकर नियम इतने सख्त थे कि हाथ-पैर के बालों को भी आप साफ नहीं कर सकते। उन्हें ब्लीच नहीं कर सकते। पैरों के बाल छुपाने के लिए ऐसे कपड़े पहनने होते थे, जिनकी स्लीव्स लंबी होती थी। ज्यादातर लकियां लंबी बाजू वाले मोजे पहनती थीं, जो वह खुद सिलकर तैयार करती थीं। सिर के बालों को ऊपर जूड़े में बांधकर और उसे कपड़े से ढककर रखना होता था। क्यों बाल काटना इस समुदाय में शर्मनाक माना जाता है। लिजी एन्स ने बताया कि उन्हें नहाने की इजाजत नहीं थी, लेकिन ऐसा नहीं है। अन?य स्रोत से पता चलता है कि यहां की महिलाएं साबुन या सैंपू से अपने बाल धो लिया करती हैं। पसीने से निपटने के लिए डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बीते कुछ वर्षों में महि?लाओं को ढील मिली है। वे अब शेविंग कर सकती हैं। अमीश समुदाय के लोग आने-जाने के लिए घोड़ा और छोटी गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप नशे में इन्हें नहीं चला सकते। ऐसा करने पर गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। हालांकि, यह दुर्लभ मामला है। क्योंकि इस समुदाय में किसी को भी शराब पीने की इजाजत नहीं। बच्चे खिलौनों से खेल नहीं सकते। लड़कियों के पास एक गुडिया होती है और उन्हें भी समुदाय के हिसाब से कपड़े पहनाए जाते हैं। तमाम मुसीबतों के बावजूद अमीश समुदाय के लोगों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। 1900 के दशक की शुरुआत में उत्तरी अमेरिका में लगभग 5,000 अमीश थे, आज यह संख्या 250,000 से अधिक है। अधिकांश अमीश समुदाय के भीतर ही रहते हैं, इसलिए जनसंख्या स्थिर रहती है और संख्या बढ़ती है।

# 50 एकड़ जमीन वालों के पास गरीबी रेखा का राशन कार्ड : कमलनाथ

» बोले- भ्रष्टाचार से हो रही मप्र की पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दतिया। मध्यप्रदेश में चुनावी सरगर्मी जोरों पर है। दतिया पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि प्रदेश की पहचान भ्रष्टाचार से होने लगी है। जिसके पास 50 एकड़ जमीन है, वह पैसा देकर गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनवा रहे हैं। इस पर पलटवार करते हुए गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ जवाब दें दतिया के साथ उन्होंने सौतेला व्यवहार क्यों किया। 15 महीने की सरकार में कमलनाथ ने दतिया को क्या सौगात दी है।

सभा से पहले उन्होंने पीतांबरा पीठ मंदिर में मां बगलामुखी के दर्शन किए। उन्होंने जनसभा में भाजपा सरकार पर हमला बोला। कहा कि कमलनाथ ने कुछ लोग मंदिर की बातें कर रहे हैं। मंदिर या मस्जिद बनवाने से कोई निवेश नहीं आता है। निवेश उत्तम होता है जब किसी उद्योगपति को प्रदेश पर भरोसा हो। उद्योगपति हरियाणा और पंजाब में अपना उद्योग लगाता है। उन्होंने कहा कि उद्योगपति कहते हैं, मध्य प्रदेश में कौन जाएगा। वहां तो पैसा दो और काम लो, की स्थिति है। प्रदेश की पहचान भ्रष्टाचार से होने लगी है। जिसके पास 50 एकड़ जमीन है, वह पैसा देकर गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनवा रहे हैं। कमलनाथ ने कहा कि 2018 में जब कांग्रेस की सरकार बनी तो मैंने प्रदेश में 27 लाख किसानों का कर्जा माफ किया था। पहली किस्त में दतिया के 71 हजार किसानों का कर्जा माफ किया। मैंने कौन-सी गलती की ? कौन-सा पाप किया? बताए जरा। मैंने एक हजार गौशालाएं बनवा दीं। कौन-सा गुनाह किया? मैंने 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली दी। अब कितना आता है। 100 यूनिट फ्री और 200 यूनिट हाफ कर दिया। बीमा के लिए पैसे दिए। मैंने तो अपनी नीति और नियत का परिचय दिया था। प्रदेश की जनता ही गवाह है।

## विरोध करना है तो खुलकर करो छिपकर करना कायरता : दिग्विजय सिंह

राजगढ़। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने विधानसभाओं से घोषित प्रत्याशियो के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा, वहीं कांग्रेसियों को भी नसीहत दे डाली और कहा कि विरोध करना है तो खुलकर करो छिपकर विरोध करना कायरता होती है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर दिग्गज नेताओं द्वारा लगातार विधानसभाओं का दौरा कर अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान करने की मांग की जा रही है वहीं एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला भी जारी है। भाजपा के लोग कांग्रेस पर आरोप लगाते हैं, वहीं कांग्रेस भी पीछे नहीं हटती। उसी क्रम में राजगढ़ जिले के दौरे पर रहे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ जिले से घोषित पांचों विधानसभाओं में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथों लिया। वहीं भितरघात को लेकर कांग्रेसियों को भी नसीहत दे डाली। राजगढ़ जिले की एससी कोटे के लिए आरक्षित सहारनपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कल महेश मालवीय के समर्थन में उन्होंने पचोर में आम सभा को संबोधित किया। उन्होंने भितरघात को लेकर कहा कि,कई बार भितरघात की शिकायतें आती हैं। भितरघात नहीं होना चाहिए। विरोध करना है खुलकर विरोध करो छिपकर विरोध करना कायरता होती है। विरोध खुलकर करो जो होगा सौ देखेंगे, वहीं उन्होंने ईवीएम मशीन से होने वाली कारस्तानी का भी जिक्र किया और उसे उदहारण देकर भी समझाया।

## दिग्विजय-कमलनाथ सरकार में आए तो जनता के कपड़े फाड़ेंगे : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दोनों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह लोग चुनाव शुरू नहीं हुए थे। तभी एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने लगे थे। वे एक-दूसरे कपड़े फाड़ रहे हैं। यदि इनकी सरकार बन जाएगी तो वह जनता के कपड़े फाड़ेंगे। बता दें कि राजनाथ सिंह रविवार को सागर जिले में थे। जिले में उनकी चार सभाए थीं। सुरखी विधानसभा के बिलहरा में भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत के समर्थन में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि इस बार मप्र में टक्कर की लड़ाई है। मैं शिवराज सिंह को जानता हूं। शिवराज सिंह राजनीति के धोनी हैं। शुरुआत कितनी खराब हो, लेकिन अंत आते-आते मैदान जीत जाते हैं।

## सिर्फ झूठ बोलने आए थे पूर्व सीएम : नरोत्तम

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कमलनाथ पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ दतिया में झूठ बोलने के लिए आए थे। कमलनाथ जी बोल रहे थे कांग्रेस ने दतिया के 72 हजार किसानों का कर्ज माफ किया था, कोई किसान बताए, जिसका 2 लाख तक का कर्जा माफ हुआ हो तो। वोट पाने के लिए कांग्रेस के नेता सफेद झूठ बोल रहे हैं। कमलनाथ बताएं उन्होंने अपनी सरकार में दतिया के लिए क्या किया था। दिग्विजय सिंह बताएं उन्होंने 10 साल की अपनी सरकार में दतिया के लिए क्या किया था। दिग्विजय सिंह की सरकार में डाकुओं का राज था। दतिया की जनता इनकी धमकियों में आने वाली नहीं है। गृहमंत्री मिश्रा ने कमलनाथ और कांग्रेस को दतिया का गुनहगार बताते हुए कहा कि कमलनाथ और कांग्रेस ने दतिया के साथ पाप किया, धोखा किया। है। कमलनाथ से पूछा है कि वे दतिया की जनता को जवाब दें कि वे 15 महीने की सरकार में दतिया के विकास की योजनाएं बंद कर उन्हें छिंदवाड़ा क्यों ले गए थे। क्या वे अपने इस पाप के लिए जनता से सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करेंगे। कमलनाथ जवाब दें दतिया के साथ उन्होंने सौतेला व्यवहार क्यों किया। मैं जो दतिया में 2600 करोड की नहर परियोजना लाया था कमलनाथ उसे छिंदवाड़ा क्यों ले गए थे। दतिया नगर निगम को आपने नामंजूर क्यों करवाया था इसका जवाब दो कमलनाथ जी। दतिया रिंग रोड का पैसा का कमलनाथ जी आपने क्यों रुकवाया था। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ दतिया वोट मांगने तो आते हैं लेकिन विकास कराने के नाम पर दोगलेबाजी करते हैं जनता इस बार ऐसे दोगलों को कड़ा सबक सिखाएगी ताकि वे आइंदा झूठ ना बोल सकें।

# संपादक यशवंत सिंह ने लगाई दिल्ली पुलिस से बचाने की गुहार

» गृहमंत्रालय को लिखा पत्र

## फर्जी मुकदमें में फंसा रही दिल्ली पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार व पत्रकारों के सुख-दुख को आमजन तक पहुंचाने वाले भड़ास फॉर मीडिया के कर्ताधर्ता व संपादक यशवंत सिंह ने गृहमंत्री को पत्र लिखकर दिल्ली पुलिस से बचाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर 2023 को एक फर्जी मुकदमे की जांच में शामिल होने के लिए वह दिल्ली के भारत नगर थाने पहुंचे जहां एसीपी संजीव कुमार और इंस्पेक्टर सूरज पाल ने पूछताछ की और धमकाते हुए कई कागजों पर साइन कराया।

बाद में आईफोन जिसमें एयरटेल सिम 9999330099 था, को जांच के नाम पर जब्त कर लिया, लेकिन फोन जब्ती का कोई भी कागज, न ही रसीद दिया। मुझे आशंका है कि मेरे फोन का दुरुपयोग किया जा सकता है। मैं ये सब इसलिए आपके संज्ञान में ला रहा हूं क्योंकि पूछताछ करने वाले अधिकारी एसीपी संजीव कुमार और इंस्पेक्टर सूरजपाल का रवैया काफी उग्र और मारपीट की धमकियों वाला था। बिना जांच कंप्लीट हुए किसी को अपराधी मानकर ट्रीट करना बेहद शर्मनाक है।

### सच उजागर करने की मिल रही है सजा

इसके पहले आईजीआई एयरपोर्ट पर मेरे खिलाफ फर्जी मुकदमा लिखाया गया। ये सब खबरें लिखने के कारण और सच उजागर करने के चलते कुछ सफ़ेदपोश लोगों द्वारा सिस्टम का दुरुपयोग करके कराया जा रहा है। इस मामले की जाँच के लिए दिल्ली पुलिस सीपी संजय अरोड़ा को मेल कर चुका हूँ लेकिन अभी तक कुछ हुआ नहीं। आपसे न्याय की उम्मीद करता हूँ। कृपया त्वरित कार्रवाई करते हुए समुचित निर्देश देने की कृपा करें।

### जांच में पूरी तरह से कर रहा हूं सहयोग

मैंने इससे पहले वाली मेल में जांच में सहयोग करने हेतु थाने पहुंचने और अभी तक एफआईआर की कापी न मिलने का जिक्र किया है। मैं बताना चाहूंगा कि एससी एसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा मेरे पर किया गया है। जिसने ये एफआईआर लिखाया है, उससे आज तक मिला नहीं हूँ। इसी से समझा जा सकता है कि किस लेवल का फर्जी केस है। अभी भी मुझे एफआईआर की कापी नहीं दी गई है। फोन भी छीन लिया गया जिसके जरिए फर्जी साक्ष्य गढ़े जाने की आशंका है।

# उप्र में भी हवा हो रही जहरीली

» पश्चिम से पूरब तक के कई शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक श्रेणी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजियाबाद-नोएडा ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के पश्चिम से पूरब तक के कई इलाकों की हवा बुरी तरह प्रदूषित हो चली है। इन इलाकों में हवा की गुणवत्ता नारंगी व लाल श्रेणी में पहुंच गई है। कुछ इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक तो कुछ में गंभीर स्तर तक पहुंचने के करीब है।

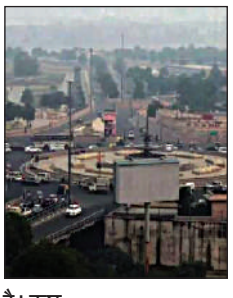

### प्रदेश के सर्वाधिक प्रदूषित शहरो में नोएडा 406 (सुर्ख लाल)

गाजियाबाद 396 (लाल),ग्रेटर नोएडा 394 (लाल),मेरठ 368 (लाल),हापुड़ 364 (लाल),मुजफ्फरनगर 278 (नारंगी),लखनऊ 271 (नारंगी),गोरखपुर 277 (नारंगी) कानपुर 251 (नारंगी) पर है।

### पछुआ ने बढ़ाई समस्या

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक पछुआ के चलते पश्चिम से प्रदूषक तत्व पूरब की ओर बढ़े हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि प्रदूषण का बढ़ना इस मौसम में स्वाभाविक प्रक्रिया है। चूंकि गर्मियों की हवा में घनत्व कम होता है और तापमान ज्यादा तो इससे प्रदूषण के कण वातावरण के ऊपरी सतह तक चले जाते हैं। सर्दियों में इसके विपरीत होता है। खास ये भी है कि धूल-धुआं, वाहनों की संख्या तो लगातार बढ़ रही है, इसलिए हर बार हालात खराब होते जा रहे हैं।

# भारत के विजयी रथ ने दक्षिण अफ्रीका को रौंदा

» विश्व कप में अफ्रीकी टीम की 243 रनों की शर्मनाक हार

» कोहली ने पूरा किया वनडे में 49वां शतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 37वें मैच में भारत का सामना साउथ अफ्रीका से हुआ। यह मैच उन दो टीमों के बीच खेला गया, जो इस विश्व कप 2023 के प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर हैं। मैच में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को 243 रन के बड़े अंतर से पीटा।

टीम इंडिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टीम को अपने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। साउथ अफ्रीका की टीम का एक भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने क्रीज पर नहीं जम सका। इस मैच में विराट कोहली ने अपना 49वां शतक भी पूरा किया। इसी के साथ इस जीत टीम इंडिया ने किंग कोहली को बर्थडे गिफ्ट भी दे दिश।

दरअसल, भारतीय टीम के खिलाफ साउथ अफ्रीका को 243 रन से हार का सामना करना पड़ा। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली टीम 327 रनों का पीछा करते हुए महज 83 रन पर ऑलआउट हो गई।

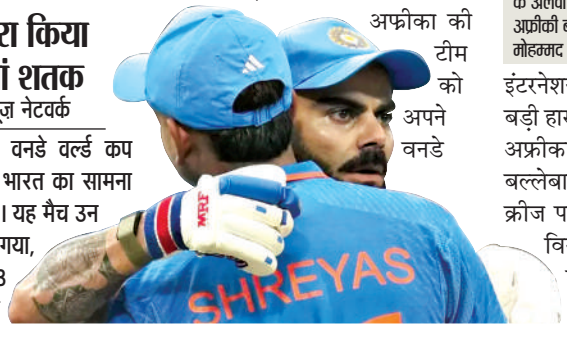

### प्वाइंट्स टेबल पर भारतीय टीम टॉप पर मौजूद

साउथ अफ्रीका पर मिली इस जीत के साथ ही भारतीय टीम विश्व कप 2023 की प्वाइंट्स टेबल के नंबर 1 स्थान पर 16 अंक के साथ मौजूद है, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी भी साउथ अफ्रीका की टीम के खिलाफ कमाल की रही। रवींद्र जडेजा ने मैच में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिकने दिया। जडेजा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके और मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव को 2-2 सफलता मिली।

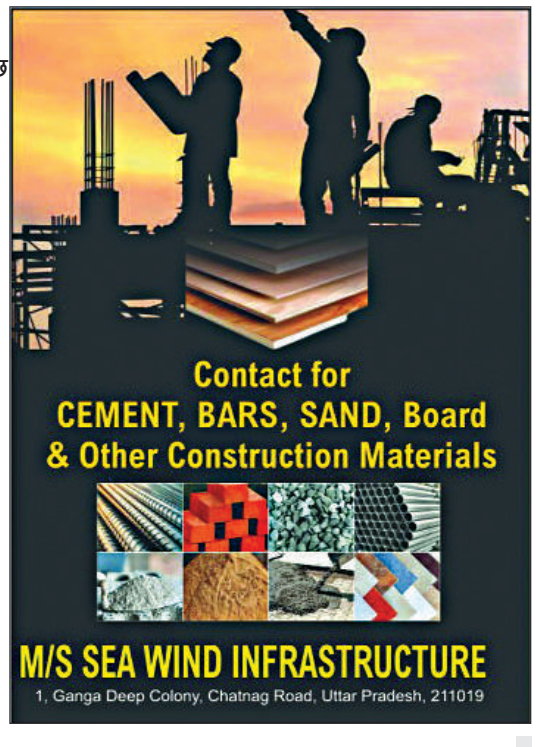

# यूपी की कानून व्यवस्था पर फिर उठे सवाल

## कानपुर देहात में ढाबे पर व्यापारी की गोली मारकर हत्या

» खाने के बाद पैसे को लेकर हुआ था विवाद

» कर्मचारी ने गार्ड की बंदूक से दिया घटना को अंजाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की कानून व्यवस्था सुधरने का नाम ही नहीं ले रही है। रेलवे, कॉलेज कैंपस, सड़क व बाजार में तो अपराध हो ही रहे थे अब ढाबे में भी गोली मारकर हत्या की जा रही है। सीएम योगी के अपराध मुक्त प्रदेश के दावे को यहां की पुलिस मिट्टी में मिलाने में लगी हुई है। अयोध्या, कानपुर, झांसी, वाराणसी से लेकर प्रदेश के कई जिलों में अपराधियों के हौसले बुलंद है। ताजा मामला कानपुर देहात का है जहां पर एक ढाबे पर खाने के बाद पैसे को लेकर हुए विवाद में वहां के कर्मचारी ने एक व्यापारी को गोली मार कर हत्या कर दी। इस हत्या के बाद पुलिस पर भी सवालिया निशान लग गया है।

ऐसा कहा जा रहा है उस ढाबे पर पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं जिसकी जानकारी पुलिस को है पर पुलिस अनदेखी करती रही। दरअसल कानपुर देहात के उमरन स्थित सेंगर ढाबा में योगेश की गोली मार कर हत्या किए जाने के मामले में कई सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज देखने के लिए डीवीआर कब्जे में ली है। बेटे की मौत से बदहवाश पिता मोहनलाल व मां शकुंतला बार- बार पुलिस अधिकारियों से हकीकत जानने के लिए फुटेज दिखाने की मांग करती रही।

योगेश की कानपुर के हैलट अस्पताल में मौत होने पर यहीं पर पोस्टमार्टम कराया गया। योगेश को दो गोली मारी गई थी। पोस्टमार्टम के दौरान एक गोली उसके चेस्ट (सीने) में फंसे मिली, जबकि दूसरी गोली पेट से आर पार हुई। इसके अलावा उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं बताए गए हैं।

पुलिस पोस्टमार्टम आने का इंतजार कर रही है। उमरन स्थित सेंगर ढाबा के संचालक देवराज सिंह है। ढाबा पर कभी उनका छोटा बेटा विशाल सिंह व तो कभी बड़ा बेटा विकास बैठता था। विकास सिंह ने बताया कि उनके ढाबा में रामचंद्र सुरक्षा कर्मी है। रात अधिक होने पर वह रायफल को ढाबा पर रख कर कहीं चले गए थे। देर रात हुए विवाद में ढाबे पर मौजूद पुष्पेंद्र डराने के डर से रायफल लेकर आया था, इसी बीच उससे गोली चल गई और योगेश घायल हो गया। विकास सिंह ने बताया कि शनिवार की रात वह लोग ढाबे पर नहीं थे। मगर यह बात पुलिस के गले नहीं उतर रही है। ढाबे पर किसी भी जिम्मेदार के न होने, लापरवाही से सुरक्षा कर्मी द्वारा रायफल छोड़ कर जाने के मामले में कई लोगों पर शक है।

### ढाबे पर तैनात रही पुलिस, पसरा रहा सन्नाटा

लेन-देन को लेकर हुए विवाद में गोली मार कर व्यापारी की हत्या के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाई। पुलिस ने सेंगर ढाबा को सील कर दिया। वहीं रात में पुलिस बल तैनात किया गया। आस पास के कई ढाबों में भी सन्नाटा पसरा रहा। ढाबे में गोलीकांड के बाद रनियां पुलिस भी अलर्ट रही।

### योगेश पर थी परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी

भाई योगेश की मौत पर पत्नी पूनम, बहन शगुन, मां शकुंतला का रो-रोकर बुरा हाल रहा। बहन शगुन बार यही कह रही थी सफेद गाड़ी वालों को बुलाओं जो उसके भाई को लेकर गए थे। बहन ने बताया कि रात 11 बजे के करीब उसके भाई को लेकर कुछ लोग गए थे। देर रात उसके भाई की हत्या की जानकारी मिली। वहीं मां व पिता मोहनलाल ने बताया कि योगेश आस पास कोल्डड्रिंक की सप्लाई कर परिवार का भरण पोषण कर रहा था।

### एक गोली चेस्ट में फंसी मिली, दूसरी हुई आरपार

## मां बोली- आखिर मेरे बेटे को क्यों मारी गई गोली

मां ने कई बार कहा कि आखिर ऐसी क्या बात हुई जो बेटे को गोली मार दी गई। वह तो यह भी कहती रही की ढाबा की गतिविधियां संदिग्ध हैं। योगेश की मौत के मामले में कई अनसुलझी पहली ऐसी है जो रह रह कर कई सवाल खड़े कर रही है। पुलिस जहां साफ तौर पर यह कह रही है कि हत्या लेनदेन को लेकर हुए विवाद में हुई हैं। वहीं परिवार के लोग सच्चाई कुछ और होने की बात कह रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने पिता मोहनलाल की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। रविवार देर शाम कानपुर हैलट से शव पोस्टमार्टम होकर पहुंचा तो मृतक की मां शकुंतला, बहन शगुन, पिता मोहन लाल ने ढाबा के सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग करने लगे। परिजनों ने साफ कहा कि वह शव को पैतृक गांव तभी लेकर जाएंगे जब वह बेटे की मौत की सच्चाई जान लेंगे। हालांकि पुलिस ने काफी समझाया और इसके बाद वह लोग शव को लेकर पैतृक गांव रामसीसर, जिला सीकर, राजस्थान निजी वाहन से लेकर गए। इस दौरान रनियां पड़ाव के रहने वाले लोगों घटना को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं थानाध्यक्ष रनियां महेंद्र सिंह ने परिजनों को कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

### आरएसएस के लिए भी पुष्पेंद्र ने किया काम

थाना अछल्दा के गुनौली निवासी केशव सिंह का बेटा पुष्पेंद्र तीन भाई हैं। वह सबसे बड़ा है। जबकि उससे दो छोटे भाई है, जिसमें एक मुंबई तो दूसरा दिल्ली में रह कर काम करता है। पुलिस हिरासत में आने के बाद पुष्पेंद्र ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2019 से लेकर 2021 तक वह डेरापुर तहसील क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के लिए कार्य किया है। पिछले छह माह से वह उमरन ढाबा में रह रहा था। यहीं पर वह खाना खाते, रहता था और ढाबे के कुछ काम संभालता था।

### शराब पार्टी चलने पर कई बार हो चुके हैं विवाद

ढाबा में देर रात शराब पार्टी चलने की बात सामने आई है। पुलिस जांच में लोगों ने बताया कि ढाबा पर आस पास के लोग देर रात तक शराब पार्टी करते हैं। इसी वजह से अवसर लोगों के बीच लेनदेन को लेकर विवाद होता है। शनिवार को योगेश व उसके साथियों के साथ भी लेनदेन को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद बात इतनी बढ़ी गई की हत्या कर दी गई। निकाय चुनाव के दौरान इसी ढाबे से पुलिस व आबकारी टीम ने शराब भी बरामद की थी, जिसके बाद यह ढाबा चर्चा में रहा। वहीं एक पास के होटल में सिपाहियों से हुए विवाद में भी ढाबे को लेकर चर्चा रही। जिसमें तत्कालीन एसपी ने बाद में सिपाहियों को निलंबित किया था।

## पशु से टकराई बाइक, वाहन सवार तीन युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। हल्दौर थाना प्रभारी रामप्रताप सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात बिजनौर-नहटौर मार्ग पर पशु से टकराने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मृत्यु हो गई। हल्दौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजनौर-नहटौर मार्ग पर तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल के, सड़क पर घूम रहे पशु से टकराने के बाद वाहन पर सवार तीन युवकों की मृत्यु हो गई।

हल्दौर थाना प्रभारी रामप्रताप सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात बिजनौर-नहटौर मार्ग पर पशु से टकराने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मृत्यु हो गई।

### पीएफआई को सुप्रीम झटका

## बैन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश विरोधी गतिविधियों के लिए यूएपीए के तहत प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को आज सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। शीर्ष न्यायालय ने पीएफआई की याचिका सुनने से मना कर दिया है। पीएफआई ने याचिका में बैन को चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को सुनने से इनकार करते हुए कहा कि ये मामला पहले हाई कोर्ट में जाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता है। केंद्र के प्रतिबंध की पुष्टि करने वाले यूएपीए ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ पीएफआई ने याचिका खारिज की थी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि पीएफआई के लिए न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ पहले उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना उचित होगा।

फोटो:4 पीएम

**धरना** बीजेपी कार्यालय पर 69 हजार शिक्षक अभ्यार्थियों ने किया प्रदर्शन, पुलिस ने रोका

## शंकराचार्य की समाधि पर पहुंचे राहुल

» कांग्रेस नेता ने बांटा भंडारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आदि गुरू शंकराचार्य की समाधि पर जाकर दर्शन किए, इसके बाद उन्होंने केदारपुर में हंस मुख बाबा से भेंट की। और वापस अपने आवास राजस्थान भवन चले गए। केदारनाथ में राहुल गांधी ने सोमवार सुबह लगभग 9 बजे सर्वप्रथम शंकराचार्य समाधि पहुंचे, समाधि के दर्शन करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी हंस मुख बाबा से मिले। इससे पहले रविवार को उन्होंने केदारनाथ के भी दर्शन किए।

और सीधे अपने आवास पर चले गया। लगभग 2 घंटे बाद राहुल गांधी केदारनाथ मंदिर परिसर के पास पहुंचे और यहां आयोजित भंडारे में भक्तों को भोजन बांटा। राहुल रविवार को तीन दिनी निजी यात्रा पर पहुंचे हैं।

निजी आध्यात्मिक यात्रा के कारण प्रदेश के पार्टी नेताओं को इससे दूर रहने को कहा गया है। कुछ वरिष्ठ नेता ही इस यात्रा के दौरान केदारनाथ में रहेंगे, लेकिन उन पर व्यवस्था से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

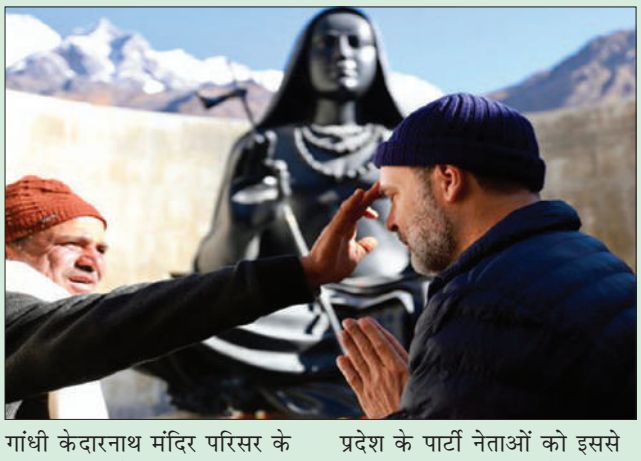

## दिल्ली में 13 से 20 नवंबर तक लागू होगा ऑड-ईवन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण से लोगों का बुरा हाल है। इसी बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सचिवायल में उच्च स्तरीय बैठक की है। इस बैठक में मंत्री गोपाल राय भी मौजूद रहे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली ऑड ईवन लागू होगा। 13 से 20 नवंबर के बीच इसे लागू किया जाएगा। आज ही दिल्ली सचिवालय में हाई लेवल बैठक हुई थी।

सरकार ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के अगले चरण को भी लागू कर दिया है। लेकिन फिर भी दिल्ली में प्रदूषण से राहत नहीं मिल रही है। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली में सोमवार के वायु प्रदूषण स्तर की बात करें तो आरके पुरम में एक्यूआई 466, आईटीओ में 402, पटपड़गंज में 471 और न्यू मोती बाग में 488 दर्ज किया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।